(c) the areas in India which are going to be benefited from the Bangladesh gas ?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICAL A D FERTILIZERS (SHRI P. C. ETHI) : (a) o. ir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

राजस्थान में बिजली का संकट

1184 श्री अशोक गहलोत क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को मालूम है कि राजस्थान में गत तीन महीनों से बिजली का संकट है ;

(ख) यदि हां, तो राजस्थान के प्रत्येक जिले में किसानों तथा लघु उद्योगों को प्रतिदिन कितने घंटे बिजली की सप्लाई की गई ;

(ग) क्या कृषि कार्यों तथा लघु उद्योगों के लिये जितनी बिजली सप्लाई की गई वह उत्पादन की दृष्टि से नगण्य थी ;

(घ) यदि हां, तो क्या इस संबंध में सरकार ने कोई उपचारात्मक उपाय कर लिये है ; और यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) (क) जी, हां । राजस्थान में विद्युत की कमी की जानकारी सरकार को है ।

(ख) 25 हार्स पावर तक के भार वाले लघु उद्योगों पर तथा कृषि उपभोक्ताओं पर इस समय विद्युत की कोई कटौती नहीं है । तथापि, कृषि को सप्लाई अलग-अलग समय पर कर दी गई है जिससे हर रोज न्यूनतम 6 घंटे सप्लाई सुनिश्चित हो सके ।

(ग) कृषि तथा लघु उद्योगों की विद्युत संबंधी आवश्यकताएं, मोटे तौर पर पूरी तरह पूरी की जाती है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

राजस्थान में बिजली संकट

1185. **श्री अशोक गहलोत :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में गत तीन महीनों से बिजली संकट के कारण वहां किसानों और लघु उद्योगपतियों को बिजली की सप्लाई नियमित रूप से नहीं की जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसके परिणामस्वरूप सरकार को कितनी उत्पादन और आर्थिक हानि उठानी पड़ेगी ;

(ग) क्या किसानों और उद्योगों को बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा कदम उठाए गए है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) : (क) गोविन्द सागर तथा चम्बल जलाशयों में जल का कम अन्तर्वाह होने के कारण भाखड़ा ब्यास कम्पलेक्स तथा चम्बल कम्पलेक्स से विद्युत का कम उत्पादन हुआ जिसके परिणामस्वरूप राजस्थान में कम विद्युत उपलब्ध हुई । कोटा में राजस्थान पर माणु विद्युत संयंत्र यूनिट नं० 1 की 18 दिसम्बर, 1980 से 28 जनवरी, 1981 तक की जबरन बंदी के कारण स्थिति गंभीर हो गई थी । राजस्थान में पिछले

तीन महीनों के दौरान विद्युत की अपर्याप्त के उपलब्धता के परिणामस्वरूप सरकार ने, कुछ उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत के प्रयोग पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे । तथापि ग्रामीण क्षेत्रों को लगभग 6–8 घंटे विद्युत की सप्लाई दी जा रही है तथा 25 एच० पी० तक के भार वाले लघु उद्योगों पर विद्युत की कोई कटौती नहीं है ।

(ख) उत्पादन में हानि के कारणों में बिजली की कमी सदैव ही एक कारण होती है । तथापि केवल विद्युत की कमी के कारण हुई हानि की मात्रा बताई नहीं जा सकती ।

(ग) और (घ) : राजस्थान परमाणु विद्युत संयंत्र की हाल ही में चालू की गई 220 मेगावाट की यूनिट संख्या 2 का अप्रैल, 1981 के अन्त तक स्थिरीकरण हो जाने पर तथा राजस्थान परमाणु विद्युत संयंत्र की दोनों यूनिटें काम करने लगने पर राजस्थान में विद्युत सप्लाई की स्थिति में सुधार होने की संभावना है । राज्य में विद्युत की उपलब्धता में सुधार करने के लिए, राजस्थान प्रणाली में 1980–85 की अवधि के दौरान 496.2 मेगावाट की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़े जाने की भी आशा है । इसके अतिरिक्त, उत्तरी क्षेत्र में 1980–85 के दौरान चालू की जाने वाली कुछ केन्द्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं से भी राजस्थान को लाभ प्राप्त होगा ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत कम्पनियों की संख्या

1186. **श्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी** : क्या **विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि : हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत कम्पनियों की संख्या कितनी है और उन्हें कितनी राशि का अनुदान दिया गया है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पो० शिवशंकर): 31 मार्च, 1980 तक हिमाचल प्रदेश में शेयरों द्वारा लिमिटेड और कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत एक सौ सैंतालीस (147) कम्पनियां विद्यमान थी । इन में 20 पब्लिक लिमिटेड और 127 प्राइवेट लिमिटेड समाविष्ट हैं ।

कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत किसी भी कम्पनी को कोई अनुदान नहीं दिया जाता है ।

Issue of licence for production of Potato Based Alcohol in Himachal Pradesh

1187. SHRI KRISHNA DATT SULTANPURI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state whether the question of issuing a licence for production of potato-based alcohol in Himachal Pradesh is being considered and if so, by what time it is likely to be given ?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI) : In 1975, M/s Mohan Meakins Breweries Limited, had applied for the issue of a Carry on-Business Industrial Licence for the manufacture of one lakh litres of Vodka, Gin, Brandy and Whisky at Solan in Himachal Pradesh making use of potatoes, fruits, peaches and plums and barley. They were issued a Letter of Intent for the manufacture of Alcohol with a provisional capacity of 1100 bulk kilo litres subject to a number of conditions.

Subsequently the party requested for permission to go in for foreign collaboration which was also agreed to in principle subject to the party undertaking export of 90% of their production on a perpetual basis. There has been no other application for production of potato-based alcohol in Himachal Pradesh and if such an application is received it will be considered on its merits.